BSKLA-135

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2024 एवं जनवरी, 2025 सत्रों के लिये)

BSKLA-135 संस्कृत भाषा और साहित्य

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

संस्कृत भाषा और साहित्य : **BSKLA-135**

सत्रीय कार्य (2024-25)

पाठ्यक्रम कोड : BSKLA-135/2024-25

प्रिय छात्रो/छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिये 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये:

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिये।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता :.....

दिनाँक :.....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य कोड :.....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणी परक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई, 2024 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2025

जनवरी, 2025 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2025

सत्रीय कार्य : BSKLA-135 संस्कृत भाषा और साहित्य

सत्रीय कार्य – BSKLA-135/TMA/2024-25 पूर्णांक - 100

नोट – **इस सत्रीय कार्य में दिए गए सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**

(भाग –क) व्याख्या आधारित प्रश्न

1. अधोलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए। 2×20 = 40

(अ) पद्यांश की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए-

केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्वलाः
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।।

अथवा

अवकाश के लिए प्रधानाचार्य को संस्कृत में पत्र लिखिए ।

(ब) शुकनासोपदेश के अनुसार लक्ष्मी का स्वरूप लिखिए।

अथवा

कुमार सम्भव के पाठ्यांश आधारित श्लोकों के आधार पर कालिदास की भाषा-शैली का वर्णन कीजिए।

(भाग-ख) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3 × 15=45

i) संस्कृत के कारक और उनके प्रकारों का वर्णन कीजिए।।

ii) भारतीय संस्कृति के सन्दर्भ में कठोपनिषद् की उपादेयता को स्पष्ट कीजिए ।

iii) सामाजिक परिप्रेक्ष्य में यक्ष-युधिष्ठिर संवाद का महत्त्व लिखिए।

iv) समाचार के प्रकार तथा उसके महत्त्व पूर्ण बिंदु लिखिए।

(भाग-ग) लघु उत्तरीय प्रश्न

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 15

i) अंत:स्थ वर्णों को लिखिए ।

ii) मतैक्य का संधि विच्छेद क्या होगा?

iii) वि + ऊह में संधि होकर क्या पद बनेगा?

iv) बालक के लिए लड्डू देता है का संस्कृत में अनुवाद कीजिए?

v) आयुर्वेद के अनुसार 'आयु' किसे कहते हैं?

vi) निचे दी शब्दों को संस्कृत लेखन की दृष्टि से शुद्ध लिखिए-

a) धनं अस्ति।

b) गंगा वहति।

vii) 'अधिसूचना' को किसमें प्रकाशित किया जाता है ?

viii) 'न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्य:' – का भाव अपने शब्दों में लिखें ।

ix) 'यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्' – किस ग्रन्थ से लिया गया है ?

x) संस्कृत कथा साहित्य के भेद बताएं ।